Written by कुमार सौवीर
Sunday, 08 January 2017 22:48

: □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□-□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□ : □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□, □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ : □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ : □□□□□ □□□□□□□-□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□ :

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : आप अगर जनार्दन यादव को नहीं जानते हैं, तो भी कोई दक्कित नहीं। फकिर नॉट। क्योंकि अब जनार्दन यादव अपने ही गीतों को अपने ही बुने तरन्□नुम के साथ गूंथ कर चुनावी-दंगल में अपनी बेमसिाल गायन-शैली में अपना वीडयिो-□ल्□बम तैयार कर रहे हैं। जल्□दी ही यह □ल्□बम बाजार में दखिगा। और फरि उसके बाद ही मचेगी धूम, झमाझम भोजपुरी बोली में राजनीतकि गीतों का धमाका होगा।

जी हां, यह कमान सम्□भालने जा रहे हैं जनार्दन यादव। बलयिा के सहतवार के रहने वाले जर्नादन यादव पहले सीमा सुरक्षा बल में तैनात रहे हैं, लेकनि जर्नादन ने हाल ही अपनी 25 साल की नौकरी से इस्□तीफा देकर अपना बाकी जीवन भोजपुरी गीतों को समर्पति करने का फैसला कयिा है। वे अपने जीवन के इस प्रयास को जीवन की □क नयी चुनौती के तौर पर देख रहे हैं। वे कहते हैं कि:- अब चाहे कुछ भी हो जा□, भोजपुरी गीतों को □क नये अंदाज में पेश करने का अभयिान छेड़ कर ही मानूंगा, जहां भोजपुरी गीत की प्रचलति अश्□लीलता वाली धारा के खलिाफ □क नये हास्□य और व्□यंग्□य का स्□तम्□भ स्□थापति कयिा जा□गा। इसमें राजनीतकि चुटीले गीत ही प्रमुख होंगे। हां, सामाजकि और आर्थकि मसले भी शामलि कयिे जा□ंगे।

जनार्दन इस समय दलि्□ली में रह रहे हैं। सपरवािर। □क बेटी शालनिी आजमगढ़ मेडकिल कालेज में □मबीबी□स में दूसरे वर्ष में पढ़ रही है। पत्□नी साथ में हैं और इस दम्□पत्ति के साथ छोटे दो बेटे दलि्□ली में पढ़ रहे हैं। वैसे तो जनार्दन की पढ़ाई ग्□वालयिर में हुई, और अपनी बी□स□फ की नौकरी के चलते वे देश भर में जहां-तहां राष्□ट्रसेवा में मस्□त रहे। लेकनि गीतों को बुनना और उन्□हें तरन्□नुम में गाना उनका शौक रहा। चूंकि जनार्दन का पैत्रकि घर बलयिा ही है, इसलि□ जनार्दन के गायन में माध्□यम भोजपुरी ही रहा। आपको बता दें कि जनार्दन को बी□स□फ में वाद-ववािद प्रतयिोगति में कई बार राष्□ट्रीय पदक और सम्□मान मलि चुके हैं।

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 08 January 2017 22:48

ताजा गीत यूपी में अखिलेश यादव की सरकार की समीक्षा के तौर पर है। यह गीत 1090 चौराहा के सामने हम लोगों ने तब रिकार्ड किया था, जब वे हमसे मिलने लखनऊ पधारे थे। उसी दौरान कार पर बैठे-बैठे ही उन्होंने अपना यह ताजा गीत सुनाया था। जाहिर है कि मैंने भी उनके गीत के साथ संगत दी और कार के तबले की तरह बजाना शुरू कर दिया। रही-बची कसर मैंने अपने मुंह से ढोलक की आवाज से निकाल कर किया। सुन कर बताइयेगा जरूर कि कैसा रहा जनार्दन का यह गीत।

□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ :- □□□□□□ □□! □ □□ □□□□ □□□ □□ □